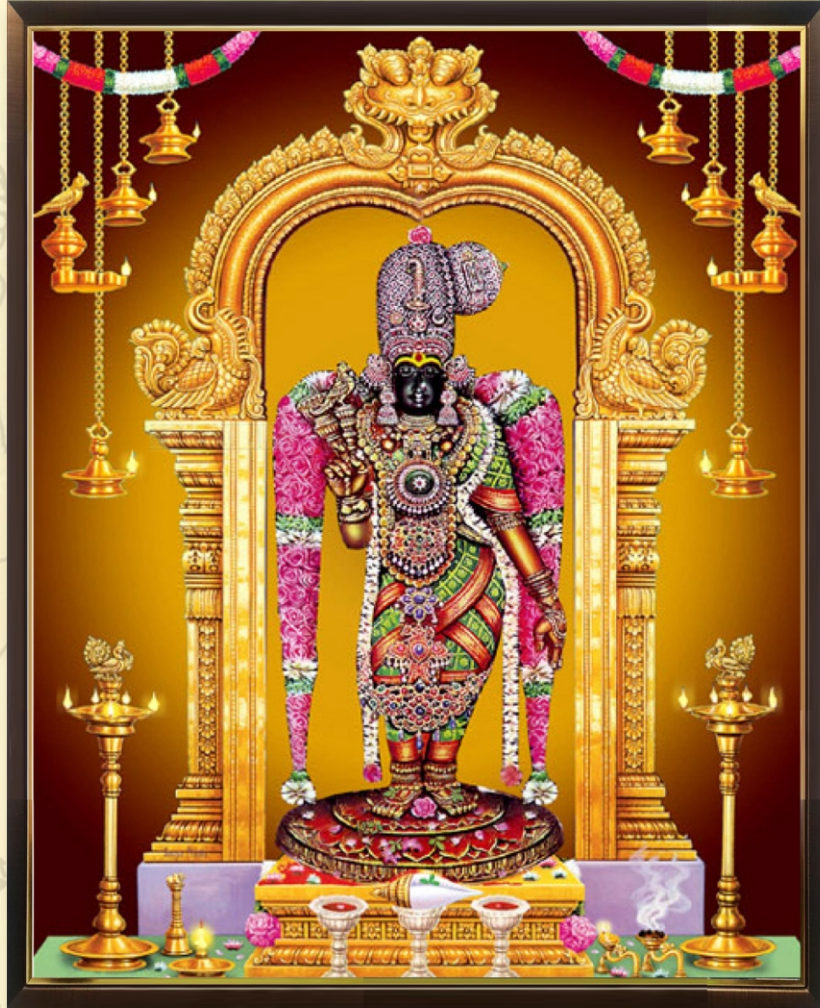




दक्षिण रेलवे / Southern Railway

मदुरै मंडल / Madurai Division

मदुरै मंडल के दर्शनीय स्थल WORTH SEEING PLACES IN MADURAI DIVISION



भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA

रेल मंत्रालय/Ministry of Railways

दक्षिण रेलवे/Southern Railway

पी.अनंत P. ANANTH

मंडल रेल प्रबंधक/मदुरै DRM/MDU

आशीर्वचन



मुझे संसदीय समिति के सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति में मदुरै मंडल के दर्शनीय स्थल पुस्तिका की प्रस्तुति एवं समर्पण करते हुए अपार आनंद हो रहा है।

(पी.अनंत)

भारत सरकार/GOVERNMENT OF INDIA

रेल मंत्रालय/Ministry of Railways

दक्षिण रेलवे/Southern Railway

टी. रमेश बाबू T. RAMESH BABU

अमरप्रेम व अमुराधि/मदुरै ADRM & AMRA/MDU

सन्देश



मदुरै मंडल के कुछ झलक हैं। पुस्तक को पढ़ते ही हरेक के मन में मदुरै और उसके आसपास स्थित जगहों को देखने का मन लगेगा।

(टी. रमेश बाबू)

संरक्षक	श्री पी.अनंत	मंडल रेल प्रबंधक, मदुर
मार्गदर्शक एवं सलाहकार	श्री टी.रमेश बाबू	अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी और अपर मंडल रेल प्रबंधक, मदुर
संकल्प, संकलन व पहल	श्री ए. श्रीनिवासन	राजभाषा अधिकारी, मदुरै
संकलन एवं प्रस्तुति	सुश्री एल. मुत्तुलक्ष्मी श्री सचिन कुमार सिंह	वरिष्ठ अनुवादक, मदुरै कनिष्ठ अनुवादक, मदुरै
टंकण	सुश्री बी. वेण्माल	मुख्य टंकक, मदुरै
अन्य सहायता	श्री एस.श्रीनिवासन श्री सेतिल कुमार	वरिष्ठ अनुवादक, तिरुच्चिरापल्ली मंडल हिंदी अनुभाग, मदुरै
प्रकाशक	राजभाषा विभाग, दक्षिण रेलवे, मदुरै	
परिवर्तित एवं परिवर्धित चौथा संस्करण		

दक्षिण रेलवे SOUTHERN RAILWAY
मदुरै मंडल MADURAI DIVISION



पर्यटक दिलचस्पी स्थल - मदुरै मंडल
PLACES OF TOURIST INTEREST-MADURAI DIVISION

विषय सूची Index

क्रम संख्या Sl.No.	विवरण Particulars	पृष्ठ संख्या Folio No.
1.	मदुरै मंडल - दक्षिण रेलवे Madurai Division-Southern Railway	2
2.	मदुरै शहर का इतिहास History of Madurai City	4
3.	औद्योगिक केन्द्र Industrial Centres	7
4.	तीर्थ स्थान Pilgrim Centres	10
5.	पर्यटक केंद्र Tourist Centres	16

मदुरै मंडल - दक्षिण रेलवे

MADURAI DIVISION – SOUTHERN RAILWAY



मदुरै मंडल की स्थापना 16 मई 1956 हुई थी और दक्षिण रेलवे के सबसे बड़ा मंडल है जिसका 1354.74 रूट किलोमीटर है। इसमें 1339.74 किमी बड़ी लाइन और 15 किमी तेनी और बोडिनायक्कनूर के बीच आमामान परिवर्तन में है। मंडल, तमिलनाडू के 13 जिलों में है - मदुरै, विरुदुनगर, तिरुनेलवेली, तूतुक्कुडी, दिंडुक्कल, तेनी, शिवगंगा, रामनाथपुरम, पुदुक्कोट्टै, तिरुप्पूर, कोयंबुत्तुर और तिरुच्चिरापल्ली और केरल के एक जिला कोल्लम।

Madurai Division was formed on the 16th May 1956 and is the largest division of Southern Railway with 1354.74 Route kilometers. Of this 1339.74 km is broad gauge and 15 km is under gauge conversion between Theni and Bodinayakkanur. The division covers 13 districts of Tamilnadu, viz., Madurai, Virudhunagar, Tirunelveli, Tuticorin, Dindigul, Theni , Sivagangai, Ramanathapuram, Pudukottai, Tiruppur, Coimbatore and Tiruchchirappalli and one district of Kerala viz. Kollam.

यह मंडल प्रधान कारखानों की सेवा करता है, जैसे के लिए तूतुक्कुडि में नमक, रसायन, समुद्र व्यापार, मछली और ऊर्जा सृजन, तिरुनेलवेली, तालयुत्तु और तुलुक्कप्पट्टि में सिमेंट, वाडिप्पट्टि में ट्रेक्टर, विरुदुनगर में दाल, दिंडुक्कल में मशीन उपकरण, शिवकाशी में पटाखें एवं मुद्रण, रामेश्वरम में मछली पकड़ना, तेनी में मसालें और मदुरै में कपड़ा और चमेली। मदुरै मंडल की सेवा प्राप्त अधिकांश क्षेत्र तमिल भाषा का पारंपरिक केंद्र, कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता हैं। अधिक संख्या में तीर्थ स्थान और पर्यटक आकर्षक केंद्र हैं, जैसे लिए मदुरै, तिरुचेंदूर, पलनी, तिरुप्परकुंड्रम, रामेश्वरम, श्रीविल्लिपुत्तूर, कोडैक्कानल, कुट्टालम, तिरुनेलवेली आदि।

The Division serves major Industries such as, Salt, Chemicals, Shipping, Fishing, Power Generation at Tuticorin, Cement at Tirunelveli/Talayuthu & Tulakapatti, Tractors at Vadipatti, Pulses at Virudhunagar, Machine Tools at Dindigul, Fireworks and Printing at Sivakasi, Fishing at Rameswaram, Spices at Theni and Textiles and Jasmine at Madurai.

The area served by Madurai Division represents the traditional centers of Tamil language, art and culture. It has large number of pilgrimage centers and other places of tourist interest like Madurai, Tiruchendur, Palani, Tiruparankundram, Rameswaram, Srivilliputhur, Kodaikkanal, Courtallam, Tirunelveli, etc.

वर्ष 2022-23 के दौरान अप्रैल 2022 तक, कुल मूल कमाई मंडल के लिए, 77.55 करोड़ रुपये, जबकि पिछले वर्ष 35.96 करोड़ रुपये रहा। पासंजर कमाई पिछले वर्ष के 16.077 करोड़ की तुलना अब 49.97 करोड़ है। माल कमाई की पिछले वर्ष के 16.17 रुपये की तुलना में 19.87 करोड़ रुपये रहा।

The total originating earnings of the division upto April 2022 for the year 2022-23 is Rs.77.55 crores against the last year actuals of Rs.35.96 crores. Passenger earnings is Rs.49.97 crores against last year actuals of Rs. 16.07 crores The goods earnings is Rs.19.87 crores against the last year actuals of Rs. 16.17 crores.

अप्रैल 2022 तक मंडल के माल लदान 0.201एमटी और कोयला, ऊर्वरक, सिमेंट, खाद्य कंटेनर आदि प्रधान माल हैं।

The goods loading of the division is 0.201 MT upto April 2022 and Coal, Fertilizer, Cement, Food grains, Container etc. are the major commodities.

मदुरै मंडल में 94 ब्लॉक स्टेशन और 19 फ्लाग स्टेशन और 22 हॉल्ट स्टेशनों हैं। यह मंडल 44 जोड़ी दैनिक एक्सप्रेस गाड़ियाँ और 24 जोड़ी दैनिक पासंजर गाड़ियाँ चलाती है।

The division has 94 block stations, 19 flag stations and 22 halt stations. The is running 44 pairs of daily express trains and 24 pairs of daily passenger trains.



मदुरै शहर का इतिहास History of Madurai city



ईसापूर्व काल के संगम काल से, प्रारंभ होनेवाला इतिहास है यह मदुरै शहर का, जो भारत के अत्यंत **पुराना शहर** है। पिछले मिलेनियम के प्रारंभिक भाग में, मदुरै का शान बहुत लघु रूप में वापस आया था, यह उसके बाद विजयनगर साम्राट के शासन के अधीन आया। 16 औ 18 शताब्दी के दौरान, मदुरै नायक राजाओं द्वारा शासित था, जिसमें अति प्रमुख रहे तिरुमलै नायक्कर। संगम कवि नक्कीरर, सुंदरेश्वरर की लीलाएँ -**तिरुविलैयाडल** से जुड़ी हुआ है, जो आज भी मंदिर के उत्सव संप्रदाय के भाग के रूप में, नाटक द्वारा रचे जाते हैं।

Madurai is one of the oldest cities of India, with a history dating all the way back to the Sangam period of the pre Christian era. The glory of Madurai returned in a diminished form in the earlier part of previous millennium; it later on came under the rule of the Vijayanagar kingdom. During the 16th and 18th centuries, Madurai was ruled by the Nayak Emperors, the foremost of whom was Tirumalai Nayakar. The Sangam period poet Nakkeerar is associated with some of the **Tiruvilayaadal** episodes of Sundareswarar - that are enacted as a part of temple festival traditions even today.

संगम काल तमिल साहित्य का स्वर्ण युग — ईसा पूर्व काल और पहली सहस्राब्दी के प्रारंभ में, महाकाव्यों की रचना हुई थी। मदुरै तमिल संगम का आधार स्थल रहा या गुरुकुल रहा। संपूर्ण मदुरै शहर, अति अद्भुत मीनाक्षी सुंदरेश्वरर मंदिर को घेरता हुआ निर्माण किया गया है। ब्रह्माण्ड के प्रतीक के रूप में चारों ओर आयात आकार की गलियाँ हैं।

The Sangam age or the Golden age of Tamil literature – produced masterpieces way back in the Pre christian era and in early 1st millennium. Madurai was the seat of the Tamil Sangam or Academy of learning. The entire city of Madurai, is built around the Meenakshi Sundareswarar Temple – the temple par excellence. concentric rectangular streets surround the temple, symbolizing the structure of the cosmos.

तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व प्रारंभिक काल के दौरान मेगस्तनीज़ मदुरै आए थे। उसके बाद कई लोग रोम और ग्रीस से मदुरै आए और पांड्य राजाओं से व्यापार संबंध बनाया था। पांड्य राजाओं का पारंपरिक शत्रु चोल राजा द्वारा कब्जा किए जाने तक अर्थात 10 वी शताब्दी तक मदुरै स्वर्गमय रहा।

As early as the 3rd century BC, Megasthenes visited Madurai. Later many people from Rome and Greece visited Madurai and established trade with the Pandya kings. Madurai flourished till 10th century AD when it was captured by Cholas the arch rivals of the Pandyas.

चोल राजाओं ने मदुरै पर 920 ईसा पश्चात से 13 वीं शताब्दी के प्रारंभ तक शासन किया था। 1223 ईसापश्चात में पांड्यों ने अपना राज्य पर पुनः विजय प्राप्त किया और उसके बाद यह पुनः विकसित हुआ। पांड्य राजाओं ने तमिल भाषा को महान रूप से आश्रय दिया था। 1323 में पांड्य राज्य मदुरै सहित दिल्ली सुल्तान तुगलक के शासन का एक अंग बना।

The Cholas ruled Madurai from 920 AD till the beginning of the 13th century. In 1223 AD Pandyas regained their kingdom and once again become prosperous. Pandian Kings patronised Tamil language in a great way. In 1323, the Pandya kingdom including Madurai became a province of the Delhi Empire, under the Tughlaks.

1371 में हंपी के विजय नगर वंश ने मदुरै पर विजय पाया और उसके बाद मदुरै, विजयनगर राज्य का एक अंग बना। 1530 ई.पू में श्री कृष्ण देवराय के देहांत होने के बाद, नायकों ने स्वतंत्रता घोषित किया और मदुरै को अपने वंश में कर लिया। तिरुमलै नायक्कर, नायक राजाओं में बहुत प्रसिद्ध रहे (1623-1659) क्योंकि वे ही मदुरै के चारों ओर अनेक इमारतों के निर्माण का कारण रहे। मीनाक्षी मंदिर के राजगोपुरम, पुदुमंडपम और तिरुमलैनायक्कर राजमहल उनकी जीवित कला रुचि के उदाहरण हैं। उसके बाद मदुरै ज़रा ज़रा करके ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथों में आने लगा। 1781 में मदुरै पर शासन करने के लिए एक अंग्रेज़ी प्रतिनिधि को नियुक्त किया गया। जार्ज प्रोक्टर ही मदुरै के पहले कलेक्टर रहे।

The 1371, the Vijayanagar dynasty of Hampi captured Madurai and it became part of the Vijayanagar empire. After the death of Krishna Deva Raya in 1530 AD, the Nayaks became independent and ruled the territories under their control. Among Nayaks, Thirumalai Nayak (1623-1659) was very popular, even now he is popular among people, since, it was he who contributed to the creation of many magnificent structures in and around Madurai. The Raja Gopuram of the Meenakshi Amman Temple, The Pudu Mandapam and The Thirumalai Nayakar's Palace are living monuments to his artistic fervor. Madurai started slipping into the hands of the British's East India Company. In 1781, British appointed their representatives to look after Madurai. George Procter was the first collector of Madurai.



प्रतिभाशाली, वीर-शूर महारानी, रानी मंगम्माल का नाम लिए बिना मदुरै का इतिहास अधूरा रह जाएगा। इतिहास, तमिलनाडु में महिला शासक की बहुत अधिक संख्या में घटनाएं प्रस्तुत नहीं कर पाती है। महिला को राज्य सिंहासन पर बैठने के लिए लायक नहीं माने जाने की नीति रहने पर भी, रानी मंगम्माल, फिर भी तमिलनाडु के सक्षम और शक्तिशाली शासक के रूप में सुप्रसिद्ध रहकर चमक रही है।

The history of Madurai will not be complete without mentioning the name of **Rani Mangammal**, the woman of great skill and sagacity. History does not provide many instances of ruling queens in Tamil Nadu. Though it was considered that women were not suited to succeed the throne of a kingdom, Rani Mangammal, however shines in almost solitary eminence as an able and powerful ruler in Tamil Nadu.

मदुरै, उसके मंदिरों के लिए पहचानी जाती है। आप्पुडयार कोविल देवार स्थलम और कूडलनगर दिव्य देशम अति मुख्य मंदिर हैं, जहाँ तक जाने का मौका कोई भी नहीं चूक सकते। मदुरै के आस पास में तिरुप्परंकुंड्रम, भगवान कार्तिकेय के छे षणमुख क्षेत्रों में एक (मदुरै संगम में नक्कीरर के तिरुमुरुगाट्रपडै में जिसकी आराधना की गई) है। साथ ही मदुरै के आस पास में वैषणव सिद्धांत के अति मुख्य दिव्य देशम है अलगर कोविल।

Madurai is famous for its temples. The Aappudaiyaar Koyil Tevara Sthalam and the Koodalazhagar Divya Desam are the most important temples, one could rarely miss to go. In the vicinity of Madurai is Tirupparamkunram, one of the 6 (Arupadai) padai veedu shrines of Murugan (Lord Karthikeya) (glorified in Madurai Sangam Nakeerar's Tirumurugaatruppadai). Also in the vicinity of Madurai is Alagar Koyil, one of the prominent Divya Desam shrines of the Sri Vaishnavite faith.

औद्योगिक केन्द्र INDUSTRIAL CENTRES

मदुरै MADURAI

तमिलनाडु के दूसरा बड़ा शहर है। चेन्नै के दक्षिण में उद्योग और कारखाने के लिए अति मुख्य स्थान है। टेक्स्टाइल और लघु यंत्र ही मुख्य कार्यकलाप हैं। मदुरै से चमेली पुष्प बहुत प्रसिद्ध है और इस पुष्प से संबंधित उद्योग अधिक संख्या में उपलब्ध हैं।

The Second largest city of Tamilnadu. Most important center for trade and industry, south of Chennai. Textile and small machinery are the important activities. Jasmine flower is very famous from Madurai and thus industries related to this flower is available in large number.

राजपालयम RAJAPALAYAM

टेक्स्टाइल मिल, जिनिंग फेक्टरी, पावरलूम प्राससिंग फेक्टरी, सर्जिकल काटून मिल और कुछ मेट्च कारखाने ही राजपालयम के प्रमुख कारखाने हैं।

Textile mills, ginning factories, power loom processing factory, surgical cotton mills and some match industries are the major industries at Rajapalayam.



तूतुकुडि TUTICORIN

यह पतन शहर और औद्योगिक शहर है। वी.वो.चिदंबरनार पोर्ट, पूरब पश्चिम अंतराष्ट्रीय समुद्र मार्ग की रणनीति के तौर पर बहुत निकट है और बीजी रेल मार्ग द्वारा पर्याप्त रूप से जुड़ा हुआ है।

Tuticorin is a **port city** and an industrial city. The V O Chidambaranar Port is strategically close to the east west international sea routes and well connected by BG rail routes.



तूत्तुक्कुडि तर्मल पवर स्टेशन समुद्र तट पर तूत्तुक्कुडि के नए पोर्ट के पास स्थित है। टीटीपीएस को 1050 मेघावाट कुल स्थापित क्षमता है जिसमें हरेक 210 मेघावाट की पांच इकाइयाँ हैं।

Tuticorin Thermal Power Station is situated near the new port of Tuticorin on the sea shore TTPS has a total installed capacity of 1050 M.W comprising 5 units of 210 M.W each. The units are all coal based.

नेयवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन और टीएनईबी (टेंजेडको)ने तूत्तुक्कुडि में 1000 मेघावाट कोयला पर आधारित पावर प्राजेक्ट स्थापित किया है।

Neyveli Lignite Corporation and TNEB/TANGEDCO has set up a 1000 MW coal based power project in Tuticorin.

सदर्न पेट्रो केमिकल इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन लिमिटेड, तूत्तुक्कुडि पर, देश के प्रधान उर्वरक उत्पादन कंपनियों में एक है। लगभग इसके 70 प्रतिशत उत्पादन रेल द्वारा यातायात किया जाता है।

Southern Petrochemical Industries Corporation (SPIC) Limited is one of the leading fertilizer manufacturing companies in the country located at Thoothukudi. Approximately 70% of its products is moved by rail.

मीलविट्टान से मदुरै के लिए अरुप्पुकोट्टै द्वारा प्रस्तावित नई लाइन के कारण, इस क्षेत्र के सबसे बड़े बिजली संयंत्र 'कोस्टल इनरजेन' को सहायता करेगा।

The New line proposed from Milavittan to Madurai via Aruppukkottai will serve one of the largest power plant in the region , namely Coastal Energen.

शिवकाशी SIVAKASI

यह शहर पटाखे , प्रिंटिंग और दियासलाई उद्योगों के लिए विख्यात है। नेहरूजी-द्वारा इस शहर को **मिनी जापान** कहा गया था। देश के कैलेंडर एवं पटाखों के 80 प्रतिशत की मांगे, यहाँ से ही आपूर्ति की जाती हैं। पटाखें भी कई देशों को निर्यात किए जाते हैं। भारत के औद्योगिक शहरों में ज्यादा उत्पादकर, बिक्रीकर अदा करनेवाले शहरों में एक है।

Famous for Fire Crackers, Printing and Match Box industries honoured as **MINI JAPAN** by Nehruji . More than 80% of the fire crackers and calendars need of the nation is supplied from here. The fire crackers also exported to many countries. It is one of the highest excise duty, sales tax paying industrial town in India.



तुलुक्कप्पट्टि – तालैयुत्तु **TULUKKAPATTI & TALAIYUTHU**

मेड्रास सिमेंट्स और इंडिया सिमेंट्स के सिमेंट प्लांट सब यहाँ स्थित हैं।

Cement plants belonging to Madras Cements and India Cements are located here.



वाडिप्पट्टि **VADIPATTI**

यहाँ टेफे ट्रैक्टर उत्पादन इकाई स्थित है। यहाँ तैयार किए गए ट्रैक्टर पूरे देश भर वितरित किए जाते हैं।

TAFE tractor production unit is situated here. Tractors made here is distributed throughout the nation.



तीर्थ स्थान PILGRIM CENTRES

मीनाक्षीसुन्दरेश्वर मंदिर

Madurai - Sri Meenakshi Sundareswarar temple



श्री मीनाक्षीसुन्दरेश्वर मंदिर भारत के विशालकाय मंदिरों में एक है, देवी मीनाक्षी, भगवान शिव की अर्द्धांगिनी को समर्पित है। यह दक्षिण वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत एवं संसार भर से पर्यटकों को यह मंदिर आकर्षित करता है। मदुरै शहर ही इस मंदिर को रखते हुए विकसित हुई कहने से अतिशयोक्ति नहीं होगी। अप्रैल-मई में 15 दिनों के लिए यहाँ चैत्र (तमिल के प्रथम महीना) समारोह मनाया जाता है। इसके लिए लाखों लोग निकटतम शहरों और गावों से आते हैं। इस मंदिर में एक गणेश मूर्ति है जो विशिष्ट है। यह विशालकाय मूर्ति एक ही पत्थर से बना है। उसी प्रकार मंदिर के अंदर के तालाब में रखे गये स्वर्ण कमल अति अद्भुत है। गगनचुंबी गोपुरम मंदिर के चारों दिशाओं में हैं। विश्व के नए अद्भुतों में चुने जाने के चुनाव में यह मंदिर अंतिम कड़ी तक पहुँच सका। प्रत्येक महीने हजारों विदेश पर्यटक आते हैं और लाखों भारतीय पर्यटक विश्व भर से आते हैं।

One of India's biggest temples is dedicated to Goddess Meenakshi, the consort of Lord Siva is an excellent example of Dravidian Architecture. Madurai City has developed around the temple at the centre. The Chithra festival celebrated for a fortnight during the Month of April-May is attended by more than a millions of people from across the state. The Ganesh idol is said to be found while excavating for the tank Theppakulam and is made out of a single stone. The Golden Lotus tank inside the temple is treat to the eyes. The Mega Gopuras located at the four entrances and also other Gopuras are the main features of the temple, and this temple came upto the last round for the recent poll to select the new wonders of world. Thousands of tourist from all over the world visits the temple every month. It also attracts devotees from all over India and tourists from all over the world.

तिरुप्परंकुंड्रम TIRUPARANKUNDRAM



स्कंध/सब्रह्मण्य स्वामी का यह मंदिर उनके प्रसिद्ध छः निवासस्थानों में एक है। यह गुफा-मंदिर है और मदुरै से सात किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ कार्तिकेय भगवान ने देवयानी से विवाह किया था। सूरसंहारम और तैप्पूसम महत्वपूर्ण समारोह हैं, जिसके लिए आस पास के गाँव और शहरों से लाखों लोग आते हैं।

Lord Subramanya temple, one of the six abodes of Lord Subramanya. It is a cave temple, 7 kms from Madurai. Legend says that Lord Karthikeya married Devayanai here. The Soorasamharam and Thaipoosam are the important festivals celebrated here, attended by lakhs of people from the nearby towns and villages.

श्रीविल्लिपुत्तूर SRIVILLIPUTTUR



यह भगवान रंगनाथ स्वामी का मंदिर है। इसका गोपुर 60 मीटर ऊंचा है जो दक्षिण भारत के ऊंचे गोपुरों में से एक है। इस मंदिर का रथ बड़े रथों में से एक है और इसमें धर्मग्रंथों से चित्रों का उत्कीर्णन है। भगवान विष्णु द्वारा माला के रूप में स्वीकृति किए गए आंडाल, यहाँ की प्रधान देवता है। यही गोपुर तमिलनाडु के राजचिह्न के रूप में है।

Sri Renganatha Swami temple. The 60 metre high gopuram, is one of the tallest in South India and the Ratha (Car) of this temple is one of the biggest and has beautiful carvings from the scriptures. Andal, the devotee of Lord Vishnu who was accepted as a garland by Lord Vishnu and is one of the main deity here. The Main Gopuram of this temple is the symbol of Government of Tamilnadu

रामेश्वरम RAMESWARAM



भारत के सबसे पवित्र और ऐतिहासिक शहरों में एक है। यहां का भगवान रामनाथस्वामी मंदिर अपने लंबे गलियारा और स्नानघाट के लिए प्रसिद्ध हैं। सभी हिंदू पति पत्नी मिलकर, काशि और रामेश्वरम का दर्शन करना अपना जीवन लक्ष्य रखते हैं। यहाँ के समुद्र को अग्नी तीर्थ कहा जाता है और धर्म के अनुसार इसमें स्नान करनेवाले के हृदय पवित्र बन जाता है। विश्वास है कि भगवान शिव की मूर्ति भगवान श्री राम की धर्म पत्नी देवी सीता द्वारा बनाया गया था, जब श्रीलंका में रावण पर विजय पाने के बाद वे वापस अयोध्या पहुँच रहे थे।

It is one of the most sacred and historical towns of India. It is well known for its Sri Ramanatha Swamy temple and the corridor in the temple is the longest in India. The temple is considered as the holy place to be visited by every Hindus in pair with the temples at Kasi, the Banaras city. The sea at this place called “Agni Theertham” believed to be so sacred that the person take a dip will become pure in heart. The idol of Lord Siva is believed to be created by Sita, wife of Lord Ramar while returning from Sri Lanka after winning over the King Ravana.

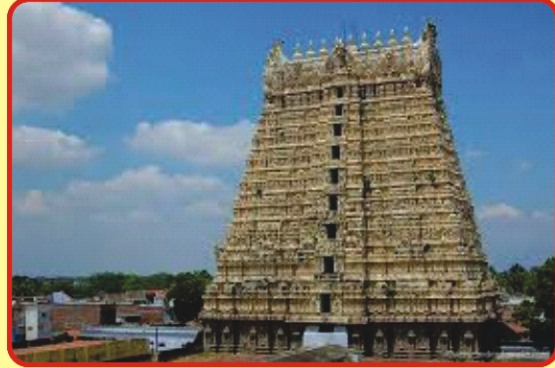
पुल जैसा निर्माण किया गया वस्तु है जिसे भगवान राम और उनकी सेना द्वारा निर्मित किया गया माना जाता है। स्नानघर, कोदण्डरामन मंदिर और समीप-द्वीप कोरल रीफ और अन्य समुद्री चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध है।

The Ram Sethu, a bridge like structure is considered to be constructed by the Lord Ram and his sena. The Bathing Ghat, Kothanda Ramar Temple and other nearby islands-abundant with coral reefs and others marine wonders are worth to visit.

धनुष्कोडि, दक्षिण भारत के पूर्वी तट के कोटि पर स्थित नगर दिसंबर 1964 के तूफान द्वारा नष्ट हुआ और अब तूफान की ऐतिहासिक साक्षी के रूप में जीवित है। पांबन पुल पूरे विश्व में रेलवे के एक अद्वितीय रेलवे पुल है।

Danuskodi, a town at the Eastern tip of the South India was devastated by a cyclone during December 1964 and remains as historical witness for the cyclone. Pamban bridge is unique Railway bridge of its kind in entire world.

शंकरनकोविल SANKARANKOIL



यहां के भगवान शंकरनारायण स्वामी के मंदिर को, 900 वर्ष पूर्व, राजा उग्र पांडियन ने बनवाया था। दक्षिण क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों में एक है। यह मंदिर दोनों भगवान शिव और विष्णु को समर्पित है।

Sri Sankaranarayana Swami temple was built by Ukira Pandiyan, 900 years ago. It is one of the important temples in the Southern Region. This temple is dedicated to both lord Siva and Vishnu.

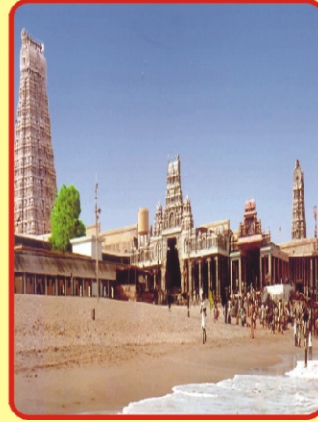
पलनि PALANI



भगवान सुब्रह्मण्य/सकंध के छः आवासों में एक है। यह मंदिर पलनि पहाड़ियों पर स्थित है। इस मंदिर तक जाने के लिए 660 सीढ़ियां चढ़नी हैं। रोपमार्ग से भी यात्री जा सकते हैं। दंडायुधपाणी, इस मंदिर की देवता हैं। भारत के सभी भागों से तीर्थयात्री इस मंदिर के दर्शन के लिए आते हैं। पादयात्रा से भक्तगण एक प्रार्थना के रूप में कई सौ किलोमीटरों की दूरी से अधिक संख्या में यहां आते हैं। तिरुपति और शबरिमला के बाद इस मंदिर में ही अत्याधिक लोग हर वर्ष आते हैं।

One of the six abodes of Lord Karthikeya. The shrine stands on top of the Palani Hills consisting of 660 steps. There are rope ways and winch train to take pilgrims to the top. The main deity is called Dandayudhapaani. Pilgrims from various parts of the country visit this temple. Large number of devotees visit the temple by foot from their residents of hundreds of Kms away every year as part of their prayer. The temple is visited by millions of people every year and considered to be the third temple visited by largest people next to Sabarimala and Tirupathi in the nation.

तिरुचेंदूर TIRUCHENDUR



तूतूक्कुडि के दक्षिणी तट पर भगवान कार्तिकेय का समुद्रतटीय मंदिर है। यह मंदिर तीर्थयात्रियों के लिए बहुत ही प्रसिद्ध है। इस मंदिर में तो वर्ष भर दर्शक आते रहते हैं। यह स्थान समुद्र तट पर होने के कारण यहाँ अनगिनत भक्त आते रहते हैं। सागर तट के यह मंदिर बहुत ही सुंदर भी है। सूरसंहारम प्रमुख त्योहार है, जिसे देखने के लिए लाखों दर्शक आते हैं।

On the coast, south of Tuticorin, this impressive shore temple is one of the six abodes of Lord Karthikeya and is very popular with pilgrims. The location of the temple is ideal and draws a perennial stream of devotees. The temple overlooking the sea is an inspiring sight. Soora samharam is the main festival of this temple, which is attended by Lakhs of people.

तेनकाशी TENKASI



पांड्य राजाओं के काल में निर्मित विश्वनाथर मंदिर, बहुत पुराने मंदिरों में एक है, जिसे दक्षिण भारत के बनारस माना जाता है और यह देश के इस भाग का एक विशाल क्षेत्र है। इस मंदिर में भगवान शिव, भगवान कार्तिकेय और कई अन्य प्रमुख देवताएं हैं। इस मंदिर के गोपुरम जिसका निर्माण कार्य अधूरा रहा था, उसे हाल ही में बनाया गया और यह तमिलनाडु में अत्यधिक ऊंचे गोपुरों में एक है। प्रसिद्ध और पुराने इलंगी कुमरर, तिरुमलै कुमरर मंदिरों भी समीप स्थित हैं।

The Vishvanathar temple here, one of the ancient temples built during the Pandyas period is considered to be “Banaras of south India” and has a large area in this part of country. The temple has Deities of Lord Siva, Lord Karthikeya and many other important Deities. The Gopuram of this temple which was not finished by the king, was constructed recently and is one of the tallest Gopurams in Tamilnadu. The famous and ancient Ilangi Kumarar, Thirumalai Kumarar temples are also located near by.

आर्यकावु, कुलत्तुप्पुला, कौट्टारक्करा
ARYANKAVU, KULATHUPUZHA, KOTARAKARA



भगवान अय्यप्पा के चार प्रमुख मंदिरों में से दो यानी आर्यकावु और कुलत्तुप्पुला मंदिर शेंगोट्टै-कोल्लम खंड पर तेनमला स्टेशन के पास है और कोट्टारक्करा के गणेश मंदिर भी मशहूर है।

Two out of four important temples of Lord Ayyappa are located at Aryankavu and Kulathupuzha near Tenmala stations in SCT-QLN section and the Ganesh temple at Kottarakara is also a famous temple in this section.

एरवाडी ERVADI



एरवाडी - रामनाथपुरम जिला का एक गांव है। इस गांव में, मदीना अल मुनावरा के उस काल के शासक कुतुबुस सुल्तान सैयद इब्रहिम शहीद बादुशा के सन्निधि स्थित हैं। प्रधान दर्गाह परिसर में साम्राट सुल्तान सैयद इब्रहिम शहीद बादुशाह की समाधि उनके रिश्तेदारों के साथ उपलब्ध है। प्रधान दर्गाह परिसर में दस हजार भक्तों को प्रार्थना करने के लिए एक बड़ा मस्जिद भी है। इकमात्र बडिया मिनारट लगभग 250 फीट (76मी) एरवाडी का मन आकर्षक दर्शन स्थल है।

Ervadi is a village in Ramanathapuram district. The village is the location of the shrine of Qutbus Sultan Syed Ibrahim Shaheed Badusha, the then ruler of Madinah Al Munawwara. The graves of Emperor Sulthan Syed Ibrahim Shaheed Badusha along with his kith and kin is found in the main dargah campus. The holy graves of other important Shuhadaas and in laws of Badusha Sulthan Syed Ibrahim Shaheed are also found on the premises. A very big mosque which can accommodate 10,000 pilgrims for every prayer-service is also found on the Main dargha campus. The single mammoth minaret which is around 250 feet (76 m) adds to the impressive appearance of Erwadi.

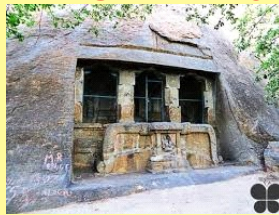
नाजरेत NAZARETH



नाजरेत एक ईसाई शहर है, जो तूतुकुडि के पास यू के के मिशनरियों द्वारा प्राथमिक कार्य केनन आर्थर मार्गोस्चिस के द्वारा बनाया गया था। यहां 200 वर्ष पुराना चर्च है (संत जान्स केतीड्रल), इसके बाड़ा टावर फ्लेट टॉप के साथ है। दक्षिण तमिलनाडु के इस भाग में कई गोथिक शैली चर्च हैं। यह शहर खेल खिलाड़ियों पैदा करने के लिए प्रसिद्ध है।

Nazareth is predominantly a Christian town, situated near Tuticorin, created by missionaries from **United Kingdom** primarily through the work of Canon Arthur Margoschis. There is a 200+ year old church (St. John's Cathedral). It has a tall tower with a flat top. This part of Southern Tamil Nadu has many Gothic-styled churches. The town is also famous for producing lot of sports personalities.

तिरुप्परंकुंड्रम जैन गुफाएं THIRUPARANKUNDAM JAIN CAVES

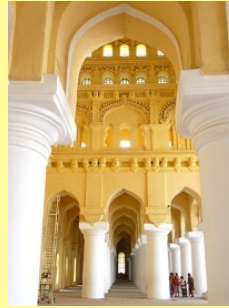


यह स्थल मदुरै से 11 किलोमीटर पर स्थित है। इस गिरि के दूसरे भाग में 1 ईसापूर्व काल की तिरुप्परंकुंड्रम गुफाएं हैं। इस गुफा को दिगंबर जैन मुनियों द्वारा पहले ईसापूर्व काल से उपयोग किया गया था। मंदिर के दीवारों में पाए जानेवाले तमिल ब्रह्मी इन्सक्रिप्शन की सहायता से यह साबित होता है कि जैन धर्म की आदि साधनाएं यहां घटित हुई हैं।

This place is situated about 11 kms. from Madurai. The other part of the hillock contains Thiruprankundram Jain caves dating back to 1 century BC. This cave had been used as abode by Digamber Jaina monks since 1 century BC. The earliest practice of Jainism has been proved to have occurred here with the help of Tamil Brahmi inscription found at the walls of temple.

पर्यटक केंद्र TOURIST CENTRES

मदुरै - तिरुमलै नायक महल MADURAI – THIRUMALAI NAYAK PALACE



16 में राजा **तिरुमलै नायक** द्वारा इस महल का निर्माण एक इटालियन वास्तुशिल्प की सहायता से हुआ। अंग्रेजों के शासन के दौरान 18 में **लार्ड नेपियर** ने कई पूनरुद्धारण किए। इस महल का उपयोग न्याय एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को स्थान दिलाने के लिए किया गया। स्वतंत्रता के बाद इस महल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया गया और अब तमिलनाडु पुरातन विभाग की अभिरक्षा में है। इसका संदर्शन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा सकता है। इस स्थान के इतिहास को रोज 5 बजे के बाद लाइट व साउण्ड शो द्वारा अंग्रेज़ी, हिंदी और तमिल में प्रदर्शित किए जाते हैं।

This Palace was built in 1636 by King **Thirumalai Nayak** with the help of an Italian Architect. During the British rule, in 1822, **Lord Nepier** made several renovation works. Then the palace was utilized to house some officials of the judiciary and district administration. After independence, this palace was declared as a national monument and is now under the care of the Tamilnadu Archaeological Department. It can be visited from 9a.m to 5 p.m. The history of this palace is depicted through Light and Sound Shows in English, Hindi and Tamil daily after 5pm.

कोडैक्कानल KODAIKKANAL



कोडैक्कानल, भारत के प्रसिद्ध पहाड़ी स्थलों में एक है और यहाँ विश्व भर से लाखों यात्री प्रति वर्ष आते हैं। इसे दक्षिण भारत की राजकुमारी कहा जाता है। समुद्रतल से 2100 मी की ऊँचाई पर, पश्चिमी घाट पर है। मदुरै से 12 किमी की दूरी पर है। यहाँ की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि, साल भर यहाँ का मौसम सुहावना रहता है। यहाँ के झील, पार्क, झरना, हरी भरी मैदान, पिल्लर रॉक्स, पाइन वन आदि देखने योग्य है।

Kodaikanal is one of the famous hill resorts of India and large number of tourist from all over the world are visiting this hill every year. It is Hill princess of the South India. Kodai is located 2130 m. above the sea level in the Western ghats, 120 kms. from Madurai. The unique feature of this resort is that the weather is pleasant throughout the year. Coakers walk, Bryant park, Silver cascade (water fall), Green valley view, Pillar Rocks, Pine forest and the lake itself are famous among sightseeing spots.

कुट्टालम COURTALLAM



कुट्टालम सुप्रसिद्ध झरना है जिसके विभिन्न झरना पर्यटक आकर्षण भरा हुआ है। यह चित्तारु नदी की अद्भुत जल प्रभातों में (यहां सात जल प्रभात हैं) यह माना जाता है कि कई खनिज एवं औषधीय गुण हैं। एक में स्नान करने का अनुभव दुसरे में स्नान करने के अनुभव से भिन्न होता है। इन जल प्रभातों में स्नान करना तन मन के लिए स्वास्थ्यकर माना जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिकों के कई आध्यात्मिक संस्थान यहाँ पर हैं। इस झील में शुरू किये गये बोटहाउस पर्यटकों का एक और आकर्षण है।

Courtallam is a well-known tourist spot having a beautiful water falls. Some of its waterfalls (there are as many as seven) arriving from the Chittar river are said to have medicinal properties. The experiencing of bathing under each falls is said to be different for each one. The Boat house in the lake is a newly added attraction

मेघमलै MEGAMALAI



मेघमलै जिसे ऊंची लहराती पर्वत कहा जाता है, एक शीतल और मिस्टी पर्वत श्रृंखला है जो पश्चिमी घाट पर, तमिलनाडु के तेनी जिला पर (मदुरै के पास) स्थित है। यह टी-एस्टेट और इलायची से भरे मनोहर स्थान है। समुद्र तल से 1500 मी ऊँचाई पर है। पेड़-पौधे और वन्य जीवों से भरा है। यहाँ के निवासी कम है इसलिए भी यहाँ के पानी और हवा शुद्ध है। कुछेक झरना और बांध इसकी शोभा को और बढ़ाती हैं।

Meghamalai, popularly called High Wavy Mountains, is a cool and misty mountain range situated in the Western Ghats in Theni district, Tamilnadu, South India. It is a place of natural beauty dotted with cardamom plantations and tea estates. The place is situated at an elevation of 1,500 m above sea level and it is rich in flora and fauna. The area is less habitated and thus the nature is protected with pure water and air. Few dams and falls adding beauty to its beauty

कारैक्कुडि KARAIKKUDI

शब्दार्थ के तौर पर तमिल में इसका तात्पर्य 7 गांव व नगर का संग्रह है। चेट्टी एक धनी समूह है और अधिक संख्या में रहनेवाले समूह होने के कारण यह स्थान चेट्टीनाडु नाम से भी (नाडु का मतलब देश। उनमें कई राजा भी या राजा जैसे होते थे) जाना जाता है। लगभग 7 गाँवों से भरे कारैक्कुडि इसलिए प्रसिद्ध हुआ कि, उस क्षेत्र में चूना पत्थर से बनाया गया घर हैं, जिसे तमिल में **कारै वीडु** कहते हैं और इसके अतिरिक्त कारै नाम का एक पौधा यहाँ भरा पड़ा है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान, यहां से कई लोग बर्मा चले गए और राजमहल जैसे घर अब ऐतिहासिक याद दिलाने वाले चिन्ह बन खड़े हैं।

Literally called 'Chetti land' in Tamil, is a collection of 76 villages/towns. Karaikudi became popular because the area is famous for the type of houses built with limestone called 'karai veedu' and also may be due to a plant called "Karai" which is widely spread over this area. Most of the people from this land migrated to Burma during the second world war and the palace like large houses remains here as historical memories.

तिरुमय्यम **THIRUMAYAM**



तिरुमय्यम एक ऐतिहासिक स्थान है जो पुदुक्कोट्टै के दक्षिण से 20 किमी की दूरी पर है। तिरुमय्यम किला एक ऐतिहासिक प्रधान स्थान है जो 40 एकड़ में बनाया गया है। इस का निर्माण सेतुपति विजय रघुनाथ देवर जो 1687 में यहाँ शासन करते थे उनके द्वारा निर्माण किया गया था।

Thirumayam is a place of historical importance located about 20 km south of the town of Pudukkottai. Thirumayam fort, set in 40 acres (160,000 m²), is of great historical importance. It was built by Sethupathi Vijaya Ragunatha Thevar, ruler of Ramanathapuram in AD 1687.

सुरुली झरना **SURULI FALLS**



यह तेनी से 56 किमी की दूरी पर है। द्विस्तरीय झरना है। झरना को आपूर्ति करनेवाली सुरुली नदी मेघमलै पहाड़ी रेंज से पैदा होती है। यह झरना 46 मी की ऊँचाई से पहले गिरता है और एक तालाब के रूप में एक हो जाता है और कुछ दूर तक बहता है और पुनः अतिरिक्त 40 फीट (12 मी) से गिरता है।

This is located 56 km from Theni . It is a 2 stage Cascading water fall. The Suruli River supplying the falls originates from the Meghamalai mountain range. The falls drop from a height of 150 feet (46 m) gathers into a pool, flows for a short distance and again plummets an additional 40 feet (12 m).

धनुष्कोडि **DHANUSHKODI**

रामेश्वरम द्वीप के दक्षिणी छोर पर धनुष्कोडि एक छोटा सा शहर/गाँव है। श्रीलंका में तलैमण्णार से लगभग 18 मील की दूरी पर है। पांबन स्टेशन से रही रेलवे लाइन 1964 के तूफान में नष्ट हो गया है। इसमें एक यात्री गाड़ी डूब गई।



Dhanushkodi is a town/village at the southern tip of the Rameswaram island. Danushkodi is about 18 miles (29 km) West of Talaimannar in Sri Lanka. The Dhanushkodi Railway line running from Pamban Station was destroyed in the 1964 cyclone and a passenger train drowned in the sea.

अरियमान बीच **ARIYAMAN BEACH**



रामनाथपुरम जिला के पाक खाड़ी की एक ओर अरियमान बीच है। पर्यटकों की भीड़ सदा यहाँ इसलिए भी है कि, यहाँ का जल शांत है और लगभग बिना किसी लहर है। पानी निर्मल है और केशुरीना पेड़ों से भरे तट पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ के वाचटवर और बच्चों का पार्क (बाग) बहुत ही मशहूर है। वाटर स्कूटर, विंड सर्फिंग, अक्वेरियम, अजायबघर आदि पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हुए बुलाता है।

On the side of Palk Bay in Ramanathapuram district, is the Ariyaman Beach. It is a much sought by tourist because the waters here are calm and the waves gentle. The beach is clean and fringed by casuarina trees that offer shade to those who like to picnic here. The watchtower and children's park are ever popular. Adding to the attraction are the waterside attractions with water scooters and wind surfing, and for the less adventurous the aquarium and museum.

पपनासम /अगसतियर मंदिर झरना

PAPANASAM-AGASTHIYAR TEMPLE&FALLS

पपनाशम शिव मंदिर से 4 किमी की दूर पर अगसतियर झरना है। इस झरना और मंदिर को 3 किमी की ट्रेकिंग कर पहुंच सकते हैं। तिरुनेलवेली-तेनकाशी से कई बस जाती हैं। यहाँ कई बांध, बाणतीर्थम झरना आदि देखने योग्य हैं।



Agasthiyar falls is located at Papanasam, which is at a distance of 4 kms from Papanasam Shiva Temple. One can reach these Agasthiyar Falls and the Temple by trekking a distance of 3 kms. It is located near Ambasamudrum in TIRUNELVELI-TENKASI section. Regular buses are available to visit these temples from Tirunelveli and Tenkasi. From here, we can visit the servalaar dam, Bana theertham falls which are scenic spot and picturesque locations liked by nature lovers.

मांचोलै **MANCHOLAI**

पश्चिमी घाट में 6000 फीट की ऊंचाई पर इस शांत पहाड़ी रिसॉर्ट को पा सकते हैं। अंबासमुद्रम से 50 किमी दूर है। नीचे के कोडैयार स्थान को विंच के द्वारा जा सकते हैं। यहाँ का दृश्य मनोहारी है। ऊतू और कुदिरैवेट्टि यहाँ के महत्वपूर्ण स्थान हैं।



This quiet Hill resort in the Western Ghats is about 6000 feet high. Manjolai is a nearby town and is an ideal summer resort. It is 50 kms from Ambasamudram. One can reach Lower Kodaiyar by winch. This hill resort offers a panoramic view especially locations at Oothu and Kuthiraivetti etc.

कीळड़ी खुदाई Keezhadi Excavation

2013-14 में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने तेनी, दिण्डुक्कल, मदुरै, शिवगंगा और रामनाथपुरम जिलरें में वैगै नदी घाटी के के साथ 293 स्थलों की खोज की। शिवगंगा जिले में कीळड़ी को खुदाई के लिए चुना गया था और एएसआई द्वारा कीळड़ी के पल्लीचंदै तिडल में खुदाई के दूसरे चरण में खुदाई की गई मानवीय कला एवं कार्य-कुशलता की उपज ने वैगै के तट की एक प्राचीन सभ्यता की ओर इशारा किया है।

In 2013-14, the Archaeological Survey of India (ASI) carried out explorations in 293 sites along the Vaigai river valley in Theni, Dindigul, Madurai, Sivaganga and Ramanathapuram districts. Keezhadi in Sivaganga district was chosen for excavation and artefacts unearthed by the ASI in the second phase of the excavation at Pallichanthai Thidal of Keezhadi pointed to an ancient civilisation that thrived on the banks of the Vaigai.

फ़रवरी 2017 में कीळड़ी स्थल पर मिले चारकोल की कार्बन डेटिंग ने स्थापित किया कि वहां की बस्ती 200 ईसा पूर्व की थी। इस प्रकार उत्खनन ने साबित कर दिया कि संगम युग के बाद से तमिलनाडु में शहरी सभ्यता मौजूद थी।

Carbon dating of charcoal found at the Keezhadi site in February 2017 established that the settlement there belonged to 200 BC. The excavations thus proved that urban civilisation had existed in Tamil Nadu since the Sangam age.

पांड्य साम्राज्य की पूर्ववर्ती राजधानी के करीब एक शहरी आवास के अस्तित्व को साबित करनेवाले साक्ष्य-भंडार में एक और के रूप में पत्ती-सजावट के साथ एक खूबसूरत मिट्टी के बर्तन का मिला है।

A beautifully crafted earthen pot with leaf decoration was unearthed adding to a repository of evidence pointing to the existence of an urban habitation closer to the erstwhile capital of Pandya kingdom.



उत्खनन स्थल के दो अन्य गड्ढों में अलग-अलग आकार के दो मटके मिला है। विशाल लाल बर्तन, जो क्षेत्र में खोजे गए विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तनों में से एक जल भंडारण सुविधा के साथ एम्बेडेड पाया गया था।

Two similar pots of different shapes have started to emerge in two other pits of the excavation site. The huge red pot, which is among a variety of earthenware discovered in the area, was found embedded alongside a water storage facility.

‘पल्लीचंदै तिडल’ साइट पर पाए जाने वाले प्राचीन कालीन वस्तु, इस विश्वास की पुष्टि करते हैं कि - एक शहरी बस्ती थी जिसका संगम युग के दौरान उत्तर भारत और पश्चिमी दुनिया के साथ व्यापारिक संबंध था और वह तीन प्राचीन स्थान - कोंथगई, कीळड़ी और मनलूर के बीच बसे हुए थे। मनलूर के सन्दर्भ तिरुविलायडल-पुराणम में मिलते हैं। बाद में, कोंथगै और कीळड़ी को कुंतीदेवी चतुर्वेदीमंगलम के रूप में मिला दिया गया और ब्रह्मणों को उपहार में दिया गया।



The kind of antiquities found at the site, 'Pallichandai Thidal,' reaffirm the belief that nestled among three ancient places Konthagai, Keezhadi and Manalur was an urban settlement that had trade links with North India and the western world during the Sangam Age. References to Manalur are found in Tiruvilayadalpuranam. During a later period, Konthagai and Keezhadi were merged as Kuntidevi Chaturvedimangalam and gifted to Brahmins.

खुदाई के लिए पहचानी गई 100 एकड़ जमीन में से सिर्फ एक पर अब तक की गई खुदाई से 4,125 प्राचीन कालीन वस्तु की खोज हुई है जो वैगै के तट पर रही एक प्राचीन तमिल सभ्यता के अस्तित्व की पुष्टि करती है।

The excavations conducted so far on just one out of 100 acres of identified land at the spot had led to discovery of 4,125 artefacts pointing to the existence of an ancient Tamil civilisation that could have thrived on the banks of Vaigai.

राज्य सरकार ने अब तक खोजे गए 5,300 प्राचीन कालीन वस्तु को प्रदर्शित करने के लिए कीळड़ी में एक साइट संग्रहालय स्थापित करने में सचि दिखाई है और इसके लिए 72 सेंट भूमि आवंटित करने के लिए निश्चय किया है।

The State government has also evinced interest in setting up a site museum at Keezhadi to display the 5,300 antiquities that have been unearthed so far and has even offered to allot 72 cents of land for the same.

मदुरै मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर मिलनेवाले विभिन्न विशेष चीजें
Various special products available in the various stations of Madurai Division

क्र सं S.No.	स्टेशन का नाम Station Name	वस्तु का नाम Familiary Product Name	विवरण Description
1	दिण्डुक्कल Dindigul	चिन्नाळपट्टी साड़ी Chinnalapatti Sarees	हैण्डलूम Handlooms
2	तूत्तुक्कुडी Tuticorin	मकसून Macroon	खाद्य Food Items
3	कोविलपट्टी Kovilpatti	मूँगफली Groundnut Chikkis	खाद्य Food Items
4	शिवकाशी Sivakasi	डायरी, कैलण्डर आदि Paper Products (Dieries & Calendar)	लेखन सामग्री Stationary
5	श्रीविल्लिपुत्तूर Srivilliputtur	दूध पेडा Milk Peda (श्रीविल्लिपुत्तूर पालगोवा Srivilliputtur Palkova)	खाद्य Food Items
6	पळनि Palani	पंचामृत Panchamirtham	खाद्य Food Items
7	शेंगोट्टै Sencottai	केर पदार्थ Care products	हैण्डीक्रॉफ्ट Handicrafts
8	रामेश्वरम Rameswaram	समुद्र शेल उत्पाद Sea Shells Products	हैण्डीक्रॉफ्ट Handicrafts
9	मानामदुरै Manamadurai	मिट्टी के घड़ा उत्पाद Mud Pottery Products	हैण्डीक्रॉफ्ट Handicrafts
10	पुनलूर Punalur	काली मिर्च Pepper	कृषि उत्पाद Agricultural Products
11	कोट्टारक्करै Kottarakara	काजू उत्पाद Cashew Products	कृषि उत्पाद Agricultural Products
12	कोडैक्कानल रोड Kodaikanal Road	पनीर अंगूर Panneer Grapes	कृषि उत्पाद Agricultural Products
13	अम्बासमुद्रम Ambasamudram	पत्तमडै कोरै दरी/चटाई Pathamadaai Korai Mat	हैण्डीक्रॉफ्ट Handicrafts
14	कारैक्कुडी Karaikkudi	आत्तंगुडी टाइल Athangudi Tiles (Pookal)	हैण्डीक्रॉफ्ट Handmades
15	राजपालयम Rajapalayam	रेडिमेड कपड़े Readymade Garments	कपड़ा Textiles
16	मदुरै Madurai	जगरठंडा Jigarthanda	खाद्य Food items
17	मदुरै Madurai	चमेली का फूल Jasmine Flower	कृषि उत्पाद Agricultural Products
18	मदुरै Madurai	पीतल पात्र Brass Vessels	हैण्डीक्रॉफ्ट Handicrafts
19	तिरुनेलवेली Tirunelveli	गेहू का हलवा Wheat Halwa	खाद्य Food items

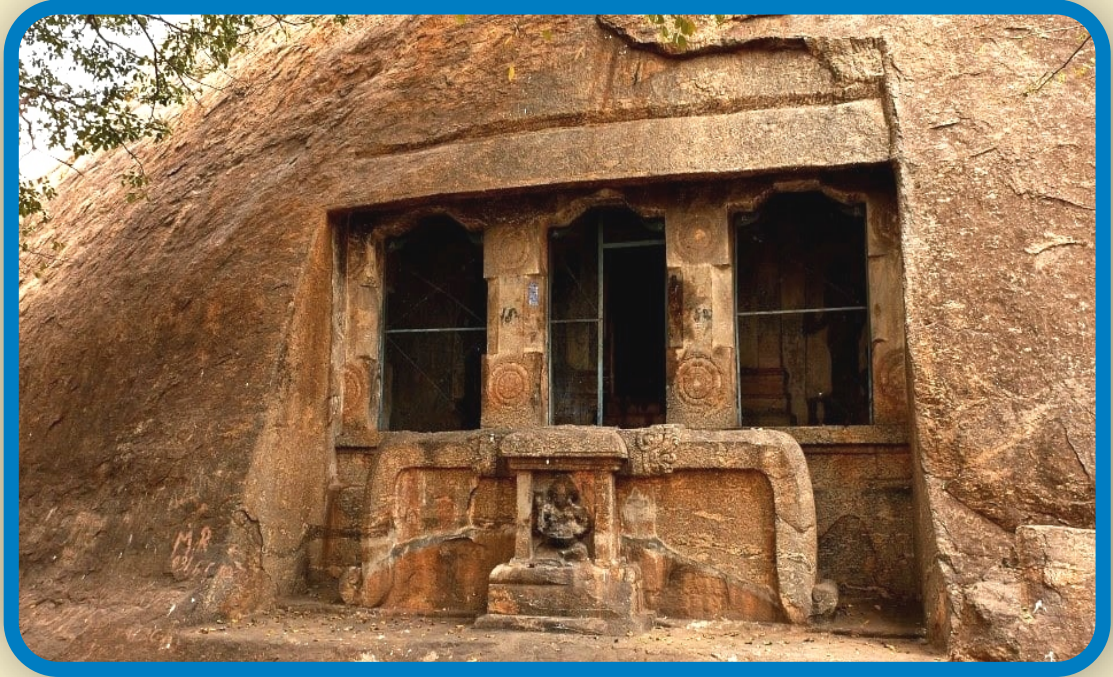




झरना - सुरुली
Suruli Falls



तिरुमलै नायक्कर महाल, मदुरै
Tirumalai Nayakar Mahal, Madurai



लाडन गुफा मंदिर, मदुरै
Ladan Temple, Madurai



13 स्पेन पुल, तेनमलै
13 Span Bridge, Tenmalai